नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 17.11.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में 17 से 23 नवम्बर तक चलने वाला वार्षिक महोत्सव प्रारम्भ हो गया। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि सप्ताह भर चलने वाले इस महोत्सव में कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता, संस्कृत भाषण प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता, प्रश्नमंच (क्विज) प्रतियोगिता, बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता तथा बालक एवं बालिका वालीाबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 45 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें **श्री दिव्यांशु श्रीवास्तव, बी.एस–सी. तृतीय वर्ष** को **प्रथम स्थान, श्री सौरभ ओझा, बी.ए. द्वितीय वर्ष** को **द्वितीय स्थान, श्री सतीश पाण्डेय बी.एस–सी. प्रथम वर्ष** को **तृतीय स्थान** एवं **श्री अम्बूज पाण्डेय, बी.एस–सी, प्रथम वर्ष** ने **चतुर्थ स्थान** प्राप्त किया।

लाला लाजपत राय पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डी.ए.वी. डिग्री कालेज, गोरखपुर के ऐसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. संजय श्रीवास्तव** ने कहा कि **पंजाब केसरी, शेरे पंजाब नाम से प्रसिद्ध लाला लाजपत राय एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे।** बाल गंगाधर तिलक एवं बिपिन चन्द्रपाल के साथ इस त्रिमूर्ति को लाल–बाल–पाल के नाम से जाना जाता था। इन्होने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल का नेतृत्व किया। सन् 1907 में ही इन्होने ब्रिटिश सरकार द्वारा औपनिवेशिक अधिनियम के विरूद्ध आन्दोलन चलाया फलस्वरूप गिरफ्तार कर वर्मा जेल भेज दिए गये। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका जा कर इन्होने अनेक पुस्तकों की रचना की जो भारतीय क्रांतिकारियों के लिये विशेष प्रेरणा स्रोत साबित हुयी। जिसमें यंग इण्डिया, द आर्य समाज, इंग्लैण्ड डेब्ट टू इण्डिया' शामिल है। यंग इण्डिया को तात्कालिक ब्रिटिश सरकार ने क्रांतिकारियों पर पड़ रहे इसके प्रभाव को देखते हुए प्रतिबन्धित कर दिया। इन्होने लाहौर में साइमन कमीशन के विरूद्ध आयोजित एक विशाल प्रदर्शन का नेतृत्व किया इस प्रदर्शन के दौरान हुयी लाठी चार्ज में लाला लाजपत राय जी बुरी तरह से घायल हो गये। उस समय उन्होने कहा था **मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक–एक कील का कार्य करेगी। और वही हुआ भी लाला लाजपत राय के बलिदान के 20 साल के भीतर ही ब्रिटिश साम्राज्य का सूर्य अस्त हो गया।** आभार ज्ञापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्तिक शुक्ल नवमी कालिदास जयन्ती की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महान कवि एवं नाटककार कालिदास जी ने भारत की पौराणिक कथाओं और दर्शन को आधार बनाकर रचनाएँ की। उनकी रचनाओं में भारतीय जीवन और दर्शन के विविध रूप और मूल तत्व का निरूपण मिलता है। कालिदास अपनी इन्ही विशेषताओं

के कारण भारत वर्ष की समग्र राष्ट्रीय चेतना को स्वर देने वाले कवि माने जाते है। अभिज्ञान शांकुतलम, मेंधदूतम्, कुमार संभवम्, रघुवंषम्, ऋतुसंहारम् आदि उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में से एक है।

महाविद्यालय में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने अनूलोम–विलोम, कपालभाँति, भ्रामरी, बज्रासन, पद्मासन आदि का अभ्यास किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ सिंह ने किया इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री नन्दन शर्मा, डॉ. मृत्युजय कुमार सिंह, श्रीमती कविता मंध्यान, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. अनुभा सिंह, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, श्री सुबोध मिश्र, डॉ. वेंकट रमन सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

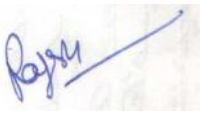

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी